No. of Printed Pages : 4

MHD-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम. एच. डी-1 : हिन्दी काव्य-1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(*ii*) **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।

(*iii*) शेष में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) मोकों कहाँ ढूढे बन्दे, मैं तो तेरे पास में।

ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।

ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।

खोजी होय तो तुरतै मिलिहों, पल भर की तलास में।

कहैं कबीर सुनो भई साधों, सब स्वाँसों की स्वाँस में॥

(ख) अबलौ नसानी, अब न नसैहों।

राम कृपा भव-निसा सिरानी, जागे पुनि न डसैहौं॥

पायो नाम चारु चिंतामनि, उर क्रते न खसैहौं।

स्यामरूप सुचि रुचिर कसौटी, चित कंचनहि कसैहौं।

परबस जानि हँस्यो इन इन्द्रिन, निज बस ह्वै न हँसैहौं।

मन मधुकर पन कै तुलसी, रघुपति-पद-कमल बसैहौं।

(ग) (अ) पत्रा ही तिथि पाइये, बा घर के चहुँ पास।

नितिप्रति पून्यौई रहे, आनन ओप उजास॥

(ब) लाल तुम्हारे बिरह की अगनि अनूप अपार।

सरसै बरसै नीर हूँ, झर हूँ मिटै न झार॥

(घ) अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलें तजि आपनपौ झझकैं कपटी जे निसाँक नहीं।
घन आनन्द प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक तें दूसरी आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ कहौ मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।

2. 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए। 10

3. गीति काव्य के रूप में विद्यापति पदावली की विशेषताएँ बताइए। 10

4. वर्तमान संदर्भ में कबीर का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. पद्मावत में चित्रित प्रेम के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 10

6. भक्ति आन्दोलन में सूरदास के महत्व को रेखांकित कीजिए। 10

7. मुक्तक परम्परा में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए।10

8. पद्माकर की कविता में चित्रित प्रकृति और लोक जीवन की छवियों को उद्घाटित कीजिए। 10

12140